मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–044

सिंधी-हिन्दी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.टी.टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिन्दी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में और प्रश्न संख्या **9** में लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. 'अनुवाद प्रक्रिया एक संश्लिष्ट प्रक्रिया है।' इस कथन के आलोक में अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 20

2. अनुवाद मूल्यांकन से क्या अभिप्राय है ? अनुवाद मूल्यांकन के विभिन्न आधारों का विवेचन कीजिए। 20

3. 'अनुवादक से अपेक्षाएँ' विषय पर निबन्ध लिखिए। 20

4. लिप्यंतरण क्या है ? अनुवाद प्रक्रिया में लिप्यंतरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। 20

5. सबटाइटलिंग का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके महत्व और सीमाओं का विवेचन कीजिए। 20

6. मशीनी अनुवाद की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए। 20

7. कोश निर्माण की प्रक्रिया में कम्प्यूटर की भूमिका के विविध आयामों की चर्चा कीजिए। 20

8. उन्नीसवीं शताब्दी में सिंधी शब्दकोश-साहित्य के विकास और सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

   (अ) अनुवादक के भ्रामक मित्र

   (ब) पुनरीक्षक और उसकी प्रशिक्षक-भूमिका

   (स) रूपान्तरण : मूल सृजन अथवा कृत्रिम कार्य-व्यापार

   (द) देश विभाजन-पश्चात् सिंधी पारिभाषिक शब्दावली का विकास